भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4321

जिसका उत्तर 19 मार्च, 2020 को दिया जाना है।

.....

दाहा नदी की सफाई

4321 श्रीमती कविता सिंह:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने दाहा नदी की सफाई, इससे गाद निकालने तथा इसकी गहराई में वृद्धि करने तथा सिवान जिले के शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट के परिवहन के लिए कोई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसका कार्यान्वयन कब तक किए जाने की संभावना है; और

(ग) बिहार के सिवान जिले में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत जल संरक्षण परियोजना तथा सीवर लाइन कार्य कब तक आरंभ किए जाने की संभावना है?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) और (ख): दाहा नदी का आरम्भ बिहार में गोपालगंज के पास से कुचाईकोटे से होता है और यह सिवान जिले से होकर गुजरती है और अंतत: घाघरा नदी में गिरती है। इस नदी की कुल लम्बाई 96 किलोमीटर है और घाघरा में गिरने से पहले सिवान से गुजरने के बाद यह 24 किलोमीटर की यात्रा करती है। इसके बाद यह नदी छपरा क्षेत्र में गंगा नदी के प्रवाह के साथ मिलने के लिए घाघरा नदी के माध्यम से अन्य 42 किलोमीटर की यात्रा करती है। जहां तक नमामि गंगे परियोजना का संबंध है। प्रथम केंद्र-बिंदु गंगा नदी के उन मुख्य धारा के कस्बों और गंगा नदी में भारी प्रदूषण बहाकर लाने वाली उन सहायक नदियों पर होग , जिनसे नमामि गंगे परियोजना संबंधित है। अब तक, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दाहा नदी को प्रदूषित घोषित नहीं किया गया है।

जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि वर्तमान में सिवान जिले में दाहा नदी की सफाइ, गाद हटाने और गहराइ को लेकर कोइ स्कीम प्रस्तावित नहीं की गइ है।

(ग): राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन को बिहार के सिवान जिले में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत अब तक बिहार सरकार से "जल संरक्षण परियोजना और सीवर लाइन कार्य" के संबंध में कोइ प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****